

धसाधारण

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 317] नर्दं विरुली, बृहस्यतिवार, ग्रागस्त 21, 1975/अत्वर्ण 30, 1897

No. 317] NEW DELHI, THURS DAY, AUGUST 21, 1975/SRAVANA 30, 1897

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती हैं जिससे कि यह अक्षम संकलन के रूप में रखा जा सब ।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

MINISTRY OF AGRICULTURE & IRRIGATION (Department of Agriculture)

NOTIFICATION

New Delhi, the 21st August 1975

S. O. 441 (E).—In exercise of the powers conferred by section 5 of the Seeds Act, 1966 (54 of 1966), the Central Government, after consultation with the Central Seeds Committee being of opinion that it is necessary and expedient to regulate the quality of the kinds of seeds specified in column (1) of the Table below to be sold for the purposes of agriculture, hereby declares the said kinds of seeds to be notified kinds for the purposes of the said Act in respect of the areas specified in the corresponding entry in column (2) of the said Table.

TABLE

Kind of seed						1	Area for which notified	I
I							(2)	
1. Lucerne 2. Methi 3. Chilli 4. Palak 5. Bhindi 6. Onion 7. Brinjal	•	:	:	:	:		Delhi Delhi Delhi Delhi Delhi Delhi Delhi Delhi	

	I						-	2
8.	 Tinda				 	•		Delhi
9.	Bitter Gourd							Delhi
ιó.	Beetroot							Delhi
11.	Cowpea			,				Delhi
12.	Water Melon		,					Delhi
13.	Musk Melon							Delhi
14.	Bottle Gourd							Delhi
15.	Peas							Delhi
1Ğ.	Cabbage							Delhi
17.	Knol Khol							Delhi
18.	Radish							Delhi
19.	Turnip							Delhi
20.	Carrot							Delhi
21.	Tori	_						Delhi

2. This notification shall come into force with immediate effect.

[No. 7-26/74-SD-(ii)]

ANNA R. GEORGE, Jt. Secy.

कृषि ग्रोर स्चिद मंत्र.लय (कृषि विभाग)

ग्रधिसूचना

नई दिल्ली, 21 श्रगस्त, 1975

का० श्रा० 441 (श्र).—बीज श्रधिनियम, 1966 (1966 का 54) की धारा 5 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय बीज समिति से परामर्श करने के पश्चात् अपनी यह राव होने पर कि कृषि के प्रयोजनों के लिए बेचे जाने वाले, नीचे की स.रणी के स्तम्भ (1) में विनिर्दिष्ट बीजों की किस्मों की क्वालिटी की विनियमित करना श्रावश्यक श्रीर समीचीन है, बीजों की उदत किस्मों की, उक्त सारणी के स्तम्भ (2) में की तत्स्थानी प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट क्षेत्रों की बाबत उक्त श्रधिनियम के प्रयोजनों के लिए श्रधिसुचित किस्में घोषित करती है।

शारणी

बीज की किस्म	क्षेत्र जिसके लिये ग्रिधिसूचित की गई है				
(1)	(2)				
. लूसन	दिल्ली:				
ू. 2. मेथी	दिल्ली				
3. मिर्च	दिल्ली				
1. पालक	दिल्ली				
5. भिन्डी	दिल्ली				
3. प्याज	दिल्ली				

1	2
7. बैंगन	दिल्ली
8. टिन्डा	दि ल्ली
9. विटर गौड	दिल्ली
10. चुकंदर	दिल्ली
11. लोबिया	दिल्ली
12. तरबूज	दिल्ली
13. खरबूजा	दिल्ली
14. बोटल गोर्ड	दिल्ली
15. मटर	दिल्ली
16. बन्द गोभी	दिल्ली
17. नोल-खोल	दिल्ली
18. मूली	िल्ली
19. शलजम	दिल्ली
20. गाजर	दिल्ली
21. तोरी	दिल्ली

2. यह अधिमूचना तुरन्त प्रवृत्त होगी।

[सं० 7-26/74-एस० डॉ॰ (ii)] स्रजा स्रार० जार्ज, संयुक्त सचित्र।